सेठ साँवरे दीनानाथ | By Sonu Rastogi

सेठ कहें तुझे सेठ सांवरा
दीन कहें तुझे दीनानाथ
तुम ही बताओ सेठ सांवरे
हो या तुम डीनो के नाथ

सेठ भरे तेरी हाज़िरी
करते है तेरा मनुहार
दीन करें बाबतेरी चाकरी
आते दर पर ले परिवार
एक भरोसा तेरा मुझको
लाज मेरी है तेरे हाथ

मैं जो तुम्हे बुलाना चाहूँ
घर आँगन में मेरे श्याम
सोच सोच कर मैं शरमाऊं
कहाँ बिठाऊंगा तुझे श्याम
नहीं बिछाने को है चादर
नहीं है सर पर मेरे छात

सुदामा के तंदुल भाये
झूठे बेर शबरी के खाये
दुर्योधन का महल त्याग कर
विदुरानी के घर तुम आये
कब आओगे घर तुम मेरे
टीकम से तुम करने बात

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%a0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-by-sonu-rastogi/